

अभ्यास पत्र – 6

Subject: - हिंदी

कक्षा - IV

Teacher: - Mrs. Jitender Kaur

Name: _____ Class & Sec: _____ Roll No. _____ Date: __.08.2020

पाठ 4 चाँद का कुर्ता

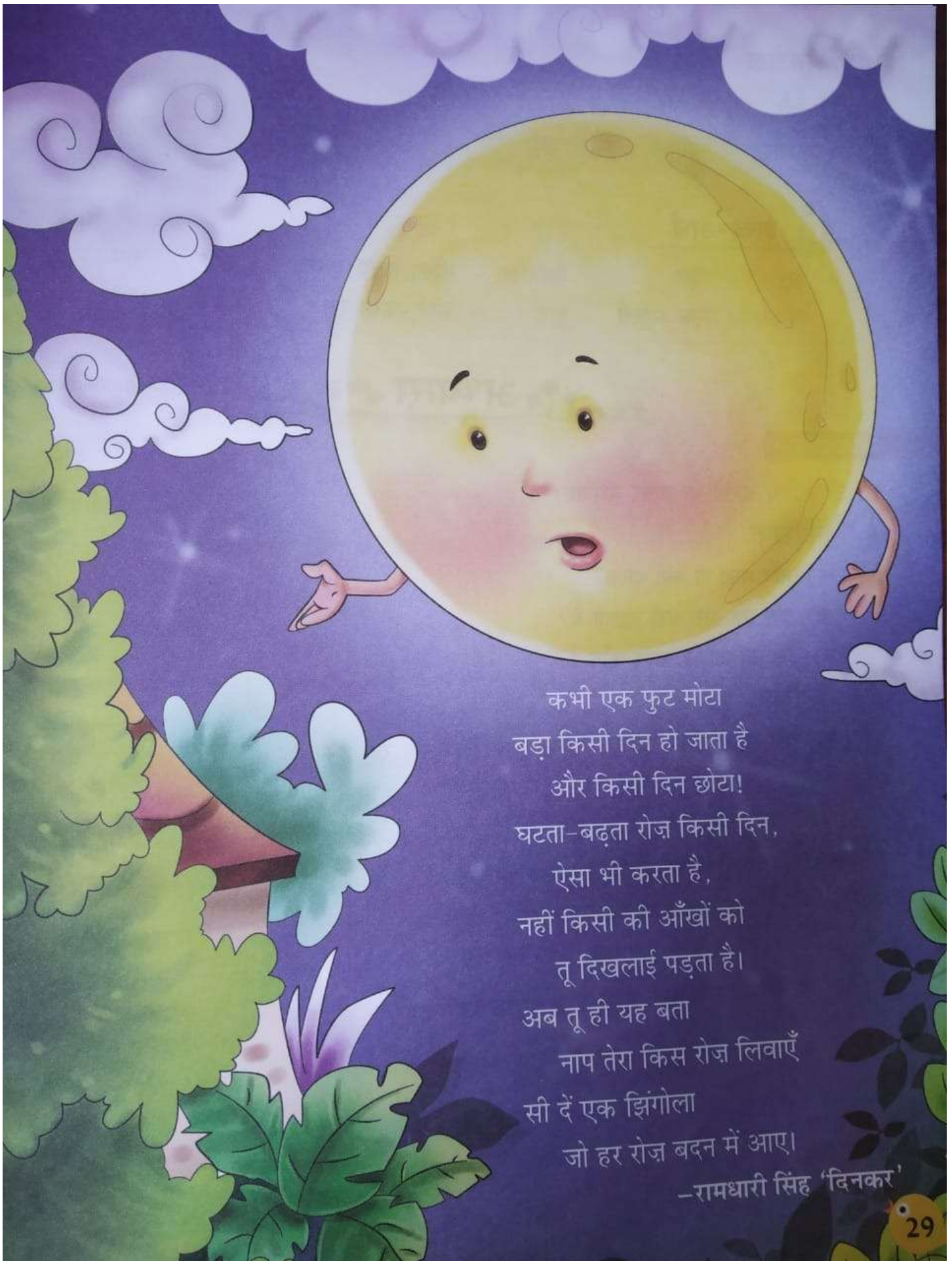
श्रुतलेख शब्द और शब्द अर्थ अपनी अभ्यास पुस्तिका में पूर्ण करें।

4 चाँद का कुर्ता

हठ कर बैठा चाँद एक दिन
माता से यों बोला
सिलवा दे माँ मुझे ऊन का
मोटा एक झिंगोला!
सन-सन चलती हवा रात-भर
जाड़े से मरता हूँ,
ठिठुर-ठिठुरकर किसी तरह
यात्रा पूरी करता हूँ।
बच्चे की सुन बात
कहा माता ने-अरे सलोने!
कुशल करें भगवान!
लगे न तुझको जादू टोने।
जाड़े की तो बात ठीक है,
पर मैं तो डरती हूँ
एक माप में कभी नहीं
मैं तुझको देखा करती हूँ।
कभी एक अँगुल भर चौड़ा

पाठ की सीख
• जिज्ञासा • भयना
• पारिवारिक स्नेह

अध्यापन संकेत— इस कविता के माध्यम से बच्चों को चाँद के घटते-बढ़ते आकार के बारे में बताइए।



कभी एक फुट मोटा
 बड़ा किसी दिन हो जाता है
 और किसी दिन छोटा!
 घटता-बढ़ता रोज़ किसी दिन,
 ऐसा भी करता है,
 नहीं किसी की आँखों को
 तू दिखलाई पड़ता है।
 अब तू ही यह बता
 नाप तेरा किस रोज़ लिवाएँ
 सी दें एक झिंगोला
 जो हर रोज़ बदन में आए।

—रामधारी सिंह 'दिनकर'



श्रुतलेख

(Writing)

चाँद

ऊन

झिगोला

ठिठुर

यात्रा

सलोने

कुशल

अँगुल

जादू

चौड़ा

घटता

बढ़ता



शब्द-अर्थ

हठ - जिद

झिगोला - ढीला-ढाला कुरता

माप - नाप

अँगुल - एक अँगुली

फुट - फीट, बारह इंच

बदन - शरीर